his question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

. No. of Question Paper : 9206 GC

nique Paper Code : 12051402

ame of the Paper : Hindi Kavita (Chayavad ke Baad) (हिंदी कविता छायावाद के बाद)

ame of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

emester : IV

uration : 3 hours Maximum Marks : 75

<u>त्रों के लिए निर्देश</u>

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (7.5×2=15)

(क) अगर मैं तुमको ललाती सांझ के नभ की अकेली तारिका

अब नहीं कहता,

या शरद के भोर की नीहार - न्हायी कुँई,

P.T.O.

टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो

नहीं, कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है

या कि मेरा प्यार मैला है।

बल्कि केवल यही: ये उपमान मैले हो गए हैं।

देवता इन प्रतीकों के कर गए हैं कूच।

कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।

अथवा

राष्ट्रगीत में भला कौन वह

भारत-भाग्य विधाता है

फटा सुथन्ना पहने जिसका

गुन हरचरना गाता है

मखमल टमटम बल्लम तुरही

पगड़ी छत्र चँवर के साथ

तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर

जय-जय कौन कराता है।

पूरब-पश्चिम से आते हैं

नंगे-बूचे नरकंकाल

(ख) राँपी से उठी हुई आँखों ने मुझे
क्षण-भर टटोला
और फिर
जैसे पतियाये हुये स्वर में
वह हँसते हुये बोला-
बाबूजी सच कहूँ-मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने
मरम्मत के लिये खड़ा है।

अथवा

सब उधार का, माँगा-चाहा
नमक-तेल, हींग-हल्दी तक
सब कर्जे का
यह शरीर भी उनका बंधक
अपना क्या है इस जीवन में
सब तो लिया उधार
सारा लोहा उन लोगों का
अपनी केवल धार।

06

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल की दृष्टि से ... कीजिए -

(क) पिछले साठ बरसों से
एक सुई और तागे के बीच
दबी हुई है माँ
हालाँकि वह खुद एक करघा है
जिस पर सांठ बरस बुने गए हैं
धीरे-धीरे तह पर तह
खूब मोटे और गझिन और खुरदुरे
साठ बरस

(काव्य - सौन्दर्य ...

(ख) देश हैं हम
महज राजधानी नहीं।
हम नगर थे कभी
खण्डहर हो गए,
जनपदों में बिखर
गाँव घर हो गए,
हम ज़मीं पर लिखे
आसमाँ के तले
एक इतिहास जीवित,
कहानी नहीं।

(बदलता सामाजिक ...

(ग) कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं

सुबह सुबह

बच्चे काम पर जा रहे हैं

हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह

भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना

लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?

(सामाजिक संवेदनहीनता)

अज्ञेय की काव्य कला का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

'मोचीराम' कविता के आधार पर धूमिल की काव्य संवेदना पर प्रकाश डालिए।

नागार्जुन काव्य की शिल्पगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

रघुवीर सहाय की कविताओं में अभिव्यक्त राजनैतिक-सामाजिक सरोकार स्पष्ट कीजिए।

5. राजेश जोशी की कविता में व्यक्त स्वप्न और यथार्थ का चित्रण

अथवा

केदारनाथ सिंह की कविताओं के भाव-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।